खबर संक्षेप

शहडोल मेडिकल कॉलेज में ऑनलाइन सिस्टम फेल

शहडोल। संभागीय मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल एक बार फिर अपनी संवेदनहीन कार्यप्रणाली और लचर व्यवस्था के चलते कलंकित हुआ है। यहां अस्पताल प्रबंधन और पुलिस के डिजिटल सिस्टम की नाकामी का एक ऐसा खौफनाक चेहरा सामने आया है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। करंट से मृत एक गरीब व्यक्ति का शव ऑनलाइन पीएम फॉर्म जनरेट न होने जैसी मामूली तकनीकी खामी के कारण पूरे 20 घंटे तक मर्चुरी में पड़ा रहा। इस दौरान कड़ाके की प्रशासनिक लापरवाही के चलते मृतक के बिलखते परिजन पूरी रात भूखे-प्यासे अस्पताल के बरामदे में न्याय का इंतजार करते रहे।दिल दहला देने वाला यह मामला अनूपपुर जिले के बिजुरी अंतर्गत ग्राम निमहा का है। यहां के निवासी शिवप्रसाद पाव उम्र 45 वर्ष को करंट लगने के बाद गंभीर हालत में शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, जहां मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। दोपहर में ही मेडिकल चौकी पुलिस को सूचना मिल गई थी, लेकिन यहीं से शुरू हुआ सिस्टम का क्रूर तमाशा। पुलिस का रोना है कि थाने में बिजली गुल थी और इंटरनेट ठप था, जिसके चलते ऑनलाइन पोस्टमार्टम फॉर्म शाम 5 बजे तक जनरेट नहीं हो सका।जब शाम को पुलिस ने किसी तरह फॉर्म डॉक्टरों को सौंपा, तो डॉक्टरों ने देर होने और नियम का हवाला देते हुए पोस्टमार्टम करने से साफ मना कर दिया और अपनी ड्यूटी खत्म कर घर चले गए।

गांधी चौक पर बछड़े को रौंदते हुए निकली तेज रफ्तार कार

शहडोल। शहर के सबसे व्यस्ततम और संवेदनशील गांधी चौक के पास रघुराज स्कूल के सामने बुधवार को रफ्तार के घमंड में चूर एक कार चालक ने सडक पर बैठे बेजुबान बछड़े को बेरहमी से रौंद दिया। कार बछड़े के ऊपर चढ़ते ही चीख-पुकार मच गई। स्थानीय राहगीरों और दुकानदारों ने जब शोर मचाया, तब कहीं जाकर कार चालक ने ब्रेक मारा। तब तक मासूम बछड़ा कार के नीचे तड़पते हुए बुरी तरह फंस चुका था।प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्परता दिखाते हुए अपनी जान पर खेलकर कार को ऊपर उठाया और कड़ी मशक्कत के बाद लहूलुहान बछड़े को बाहर निकाला। हद तो तब हो गई जब कार चालक की पहचान शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. मनीष सिंह के रूप में हुई। कायदे से जिस डॉक्टर का काम जिंदगी बचाना है, उनसे जनता ने घायल बछड़े के इलाज की जिम्मेदारी लेने को कहा। लेकिन मसीहा का दिल पिघलने के बजाय वे उल्टा जनता पर ही भडक गए। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि डॉक्टर साहब ने अपनी गलती मानने और बेजुबान का इलाज कराने के बजाय लोगों से तीखी बहस शुरू कर दी और धौंस दिखाते हुए मौके से कार लेकर रफूचक्कर हो गए।

मनरेगा के नियमों का सरेआम उल्लंघन

बुढ़ार में पूर्व कंप्यूटर ऑपरेटर बना ठेकेदार

25 लाख के स्टॉप डैम निर्माण में भारी धांधली

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम पंचायत नवाटोला में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना और मनरेगा के अभिसरण से स्वीकृत 25 लाख रुपये का स्टॉप डैम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना कार्यालय का पूर्व कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र मिश्रा, जो कभी 25 प्रतिशत कमीशन लेकर फाइलें पास करता था, अब खुद ठेकेदार बनकर घटिया निर्माण करा रहा है। ग्रामीणों व आदिवासी सरपंच की सहमति के बिना, तकनीकी मापदंडों को दरकिनार कर पहले से बने रपटे के मात्र 100 मीटर ऊपर इसका स्थल चयन किया गया है, जिससे इसकी उपयोगिता शून्य है।

नियमों को ताक पर रखकर बनी कमीशन की दीवार, आदिवासी सरपंच की अनदेखी और आरईएस विभाग के इंजीनियरों की जुगलबंदी

स्थल चयन व उपयोगिता पर गंभीर सवाल

स्वीकृत स्टॉप डैम के महज 100 मीटर ऊपर पहले से ही एक रपटा कम स्टॉप डैम मौजूद है। ऐसे में नए निर्माण का कोई औचित्य नहीं था। ग्रामीणों और पंचायत की राय को पूरी तरह दरकिनार कर स्थल चयन किया गया है। अनुपयोगी स्थान पर 25 लाख रुपये फूंकने से शासकीय धन का सरासर दुरुपयोग हो रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण का कोई वास्तविक लाभ नहीं मिलेगा। यहां सरकारी पैसे का बंदरबांट साफ नजर आ रहा है।

लेबर बजट गायब, मशीनों से हो रहा कार्य

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत यह कार्य मजदूरों से कराया जाना अनिवार्य है, ताकि स्थानीय आदिवासियों को रोजगार मिले। परंतु, नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मजदूरों की जगह जेसीबी, आई-फ्यूरी और अन्य भारी मशीनों का धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है। स्टीमेट के विपरीत जाकर न तो गड्ढों की आवश्यक गहराई रखी गई है और न ही तय चौड़ाई। ठेकेदार और अधिकारियों ने मिलकर गरीब मजदूरों का हक सरेआम मार दिया है।

घटिया सामग्री और लोकल सीमेंट का खेल

निर्माण कार्य में तकनीकी मापदंडों को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। मौके पर अत्यंत घटिया स्तर की निर्माण सामग्री, अवैध चोरी की रेत और अमानक गिट्टी का इस्तेमाल हो रहा है। ब्रांडेड या स्वीकृत ग्रेड की जगह लोकल सीमेंट से ढलाई की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस स्तरहीन निर्माण के कारण यह स्टॉप डैम पहली बारिश भी नहीं झेल पाएगा। कमीशनखोरी के चक्कर में सीधे तौर पर जनता के पैसों को पानी में बहाया जा रहा है।

आदिवासी सरपंच के अधिकारों का हनन

ग्राम पंचायत की आदिवासी सरपंच ने खुलकर आरोप लगाया है कि जब जितेंद्र मिश्रा कार्यालय में बैठता था, तभी उसने तीन काम स्वीकृत करने के बदले एक काम खुद को देने की डील की थी। पंचायत की प्रशासनिक संप्रभुता को बंधक बनाकर विकास कार्यों में 25 प्रतिशत तक कमीशनखोरी की गई। अब खुद ठेकेदार बनकर वह स्थानीय आदिवासियों के हक और रोजगार को छीन रहा है। आदिवासी अधिकारों का यह हनन प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा है।

साइट से नदारद जिम्मेदार इंजीनियर

स्टीमेट तैयार करने वाले और स्थल चयन करने वाले इंजीनियर आशीष कुबरेती पूरी तरह से साइट से नदारद हैं। निर्माण के दौरान कितनी क्यूरिंग (तराई) की गई और कंक्रीट का मिक्स रेश्यो क्या है, इसे देखने वाला कोई नहीं है। तकनीकी अधिकारी द्वारा मौके पर आकर भौतिक सत्यापन न करना उनकी इस पूरे भ्रष्टाचार में मौन सहमति को दर्शाता है। ऐसा लगता है कि इंजीनियर सिर्फ दफ्तर में बैठकर मलाई काटने में व्यस्त हैं।

जनपद में हावी बेलगाम जुगलबंदी

जनपद पंचायत बुढ़ार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इस पूरे मामले में महज एक मूकदर्शक मोहरा बने हुए हैं। पूरी जनपद को एसडीओ राघवेंद्र सिंह और एपीओ दिवाकर सिंह मिलकर अपनी मर्जी से चला रहे हैं। इन अधिकारियों के संरक्षण के कारण ही नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से मशीनों का उपयोग और अवैध वित्तीय हेरफेर जारी है। इन पर कार्रवाई न होना इनके रसूख और सांठगांठ की गवाही देता है।

आरईएस और खनिज कॉर्पोरेशन की चुप्पी

ग्रामीणों के भारी विरोध के बावजूद जिले में बैठे ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री के.पी. पटेल और जिला खनिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले में गहरी चुप्पी साध रखी है। वरिष्ठ तकनीकी व प्रशासनिक अधिकारियों की इस उदासीनता और मॉनिटरिंग के अभाव के कारण ही निचले स्तर के अधिकारी और पूर्व ऑपरेटर बेखौफ होकर आदिवासियों के अधिकारों और सरकारी खजाने पर सरेआम डाका डाल रहे हैं।

इनका कहना है...

मामला आपके माध्यम से संज्ञान में आया है, जल्द ही निर्माण कार्य की जांच कराई जायेगी।

के.पी. पटेल
कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, शहडोल

प्रो. सुनीता वाथरे 42 वर्षों की गौरवपूर्ण शैक्षणिक यात्रा पूर्ण कर सेवानिवृत्त

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कला संकाय की संकायाध्यक्ष एवं अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता वाथरे को उनके 42 वर्षों के गौरवपूर्ण शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योगदान के उपरांत सेवानिवृत्ति पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। उन्होंने 30 जून 2026 को अपनी दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाओं का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. अंजनी सूर्यवंशी ने प्रो. वाथरे का पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। वक्ताओं ने उनके समर्पण, अनुशासन, कुशल नेतृत्व एवं विद्यार्थियों के प्रति उनकी आत्मीयता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विभागीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका व्यक्तित्व एवं कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। समारोह में परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. चेतना सिंह, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा तिवारी, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. संतोष पुरी, मोहम्मद इस्लाम खान, डॉ. दिलीप तिवारी तथा सुरेंद्र बारगाही सहित विभाग के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रो. सुनीता वाथरे के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

अंतौली के जंगल में महिला की संदिग्ध मौत

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंतौली के घने जंगलों में मंगलवार को एक 30 वर्षीय महिला की लाश मिलने से पूरे इलाके में हडक्रंप मच गया है। शुरुआत में पुलिस और ग्रामीणों ने इसे बाघ का हमला मानकर मामला शांत करने की कोशिश की, लेकिन वन विभाग की एंट्री ने इस पूरी थ्योरी को पलट कर रख दिया है। वन विभाग के आला अधिकारियों ने मौके का मुआयना करने के बाद साफ कर दिया है कि यह किसी भी कोण से टाइगर का हमला नहीं है। वन विभाग के इस बड़े खुलासे के बाद अब मौत की गुत्थी उलझ गई है और मामला सीधे तौर पर हत्या (मर्डर) की ओर इशारा कर रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान उमा सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी अंतौली के रूप में हुई है। वह मंगलवार सुबह रोज की तरह जंगल में महुआ की डोरी (बीज) बिनने गई थी। जब दोपहर तक वह घर नहीं लौटी, तो चिंतित परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी खोजबीन शुरू की। ढूंढते-ढूंढते जब लोग जंगल के भीतर पहुंचे, तो उमा का शव खून से लथपथ हालत में मिला। महिला के शरीर पर गहरे और बेरहमी से किए गए जख्मों के निशान थे, जिसे देखकर ग्रामीणों ने कयास लगाए कि किसी बाघ ने उसे अपना शिकार बनाया है। घटना की खबर मिलते ही जयसिंहनगर पुलिस और वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। वन विभाग के विशेषज्ञों ने जब घटनास्थल और शव की बारीकी से जांच की, तो वहां न तो बाघ के पंजों के निशान (पगमार्क) मिले और न ही उमा के शरीर के घाव किसी जंगली जानवर के हमले जैसे थे। सूत्रों की मानें तो चोट के निशान किसी धारदार हथियार या भारी वस्तु से वार करने जैसे प्रतीत हो रहे हैं।

इनका कहना है...

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वन विभाग ने टाइगर अटैक से साफ इनकार किया है। मौत की असली वजह शॉर्ट पीएम और विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। पुलिस हत्या और अन्य सभी संवेदनशील पहलुओं को ध्यान में रखकर हर एंगल से तफ्तीश कर रही है।

अजय कुमार बैगा
थाना प्रभारी, जयसिंहनगर

दो महीने काम कराकर थमाते हैं एक महीने की पगार

शहडोल। संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका परिषद में आउटसोर्स के नाम पर सफाई कामगारों के शोषण और आर्थिक दमन का एक बेहद घिनौना खेल सामने आया है। नगर पालिका में सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभाल रही आउटसोर्सिंग कंपनी अविनाश एजेंसी पर कर्मचारियों के पसीने की कमाई डकारने और नियमों को ताक पर रखकर मनमानी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस फर्जीवाड़े के खिलाफ भारतीय सफाई मजदूर संघ ने सीधे तौर पर मोर्चा खोलते हुए संभागीय आयुक्त से लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी तक शिकायत दर्ज कराई है, जिससे प्रशासनिक गलियारों में हडक्रंप मच गया है।नगर पालिका में सितंबर 2025 से अविनाश एजेंसी के माध्यम से सफाई और अन्य विभागों में आउटसोर्स कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। संघ के पत्र क्रमांक 20 में आरोप लगाया गया है कि यह शोषक एजेंसी कभी भी समय पर वेतन का भुगतान नहीं करती। हद तो तब हो जाती है जब दो-दो महीने तक काम कराने के बाद मजदूरों को बकौल भीख सिर्फ एक महीने का वेतन दिया जाता है। मार्च 2026 और अप्रैल 2026 का वेतन पूरी तरह डकार लिया गया है। जब भूखे-प्यासे श्रमिक अपने हक का पैसा मांगते हैं, तो ठेकेदार द्वारा केवल आश्वासन का झुनझुना थमा दिया जाता है। फर्जीवाड़े की परतें यहीं नहीं रुकतीं। कई कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति (हाजिरी) को तकनीकी और तानाशाही रवैये के चलते जबरन बंद कर दिया गया है। हाजिरी बंद कर उनसे जबरन काम तो लिया जा रहा है, लेकिन वेतन भुगतान के वक्त उनका नाम लिस्ट से गायब कर दिया जाता है। इसके साथ ही, कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों में भी मनमाने ढंग से पैसों की हेराफेरी की जा रही है। संघ के नगर मंत्री पवन मोगरे ने बताया कि साप्ताहिक मास्टर एवं अतिरिक्त आउटसोर्स श्रमिकों के वर्षों पुराने एरियर के भुगतान की मांग को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। जब कटनी नगर निगम और अन्य निकाय एरियर का भुगतान कर चुके हैं, तो शहडोल नगर पालिका प्रशासन इस भ्रष्ट एजेंसी पर मेहरबान क्यों है?भारतीय सफाई मजदूर संघ के पदाधिकारी वाल्मीक कुण्डे और अन्य नेताओं ने शासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 3 दिवस के भीतर इस शोषक अविनाश एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर बाहर नहीं काटा गया और श्रमिकों को कलेक्टर दर पर सीधा भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया, तो पूरे शहर में काम बंद हड़ताल और उग्र धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस गंभीर मामले की प्रतिलिपि राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय आयोग श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक जी के कार्यालय से लेकर राज्य मंत्रालय, जिला कलेक्टर, एसपी और स्थानीय कोतवाली थाना प्रभारी तक को भेजी जा चुकी है। अब देखना यह है कि शहडोल का प्रशासनिक अमला इन गरीब सफाईकर्मियों को न्याय दिलाता है या फिर भ्रष्टाचार की इस अविनाश गंगा में खुद भी डुबकी लगाता रहता है।

गांजा तस्करी या सोची-समझी हत्या!

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के कमता गांव में तीन महीने पहले हुई तीन होनहार युवकों की सनसनीखेज मौत का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। एक ही कुएं से तीन लाशें मिलने के इस रोंगटे खड़े कर देने वाले मामले ने पूरे शहडोल संभाग को हिलाकर रख दिया था। उस वक्त पुलिस ने आनन-फानन में जिस सडक हादसे की कहानी गढ़कर फाइल बंद करने की कोशिश की थी, अब उस पर गंभीर सवालिया निशान लग गए हैं। मामले की संवेदनशीलता और परिजनों के तीखे आक्रोश को देखते हुए अब इस बहुचर्चित मामले की निष्पक्ष जांच की कमान उमरिया पुलिस अधीक्षक (एसपी) को सौंपी गई है। एसपी स्तर की इस री-ओपन जांच से शहडोल पुलिस महकमे की शुरुआती थ्योरी पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।बीते माह जैतपुर के कमता गांव में कॉलेज तिराहे के पास एक बिना मुंडेर के कुएं में रोहित शर्मा, तनुज शुक्ला और सचिन सिंह के शव संदिग्ध परिस्थितियों में उतराते मिले थे। घटनास्थल पर एक क्षतिग्रस्त कार भी खड़ी मिली थी। उस वक्त मामले को रफा-दफा करने की नीयत से जैतपुर पुलिस ने इसे एक साधारण सडक दुर्घटना बताया और दावा किया कि कार हादसे का शिकार होकर कुएं में जा गिरी, जिससे तीनों की मौत हो गई। यही नहीं, पुलिस ने इस पूरी कहानी में गांजा तस्करी का तडक्रा लगाते हुए कुछ लोगों को आनन-फानन में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और अपनी पीठ थपथपा ली, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि अगर यह कार एक्सीडेंट था, तो कार कुएं के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में कैसे खड़ी थी और अगर कार कुएं में नहीं गिरी, तो तीनों युवक एक साथ कुएं के भीतर कैसे पहुंच गए, पुलिस की इस ढीली और संदेहास्पद थ्योरी को मृतकों के परिजनों ने पहले दिन से ही सिरे से खारिज कर दिया था।उमरिया एसपी को जांच सौंपे जाने के बाद अब इस केस में बड़े खुलासे की उम्मीद जाग गई है। नए सिरे से होने वाली इस जांच में घटनास्थल का री-क्रिएशन, वैज्ञानिक साक्ष्यों की दोबारा पड़ताल, गवाहों के नए बयान और जैतपुर पुलिस द्वारा की गई अब तक की विवेचना की कड़े शब्दों में समीक्षा की जाएगी। जैतपुर की यह घटना आज भी न्याय की गुहार लगा रही है। तीन माताओं की गोद सूनी करने वाले असली गुनहगार कौन हैं, इसका फैसला अब उमरिया एसपी की जांच रिपोर्ट से ही साफ होगा। फिलहाल, इस हाई-प्रोफाइल मामले में जांच की सुई जैसे ही आगे बढ़ेगी, कई सफेदपोशों और खाकी के मद्ददगारों के पसीने छूटना तय है। आंच अब सीधे तौर पर उन लोगों तक पहुंचेगी जो तीन महीने से चैन की नींद सो रहे थे।

इनका कहना है...

उक्त मामले की जांच की जा रही है।

विजय भागवानी
पुलिस अधीक्षक, उमरिया

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से किसान की मौत

शहडोल। जिले में आफत बनकर बरस रहे मानसून के बीच आसमानी बिजली (गाज) का खौफनाक तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा सनसनीखेज मामला सोहागपुर थाना क्षेत्र के बिजौरी गांव से सामने आया है, जहां प्रकृति के इस कहर ने एक और अन्नदाता की जिंदगी छीन ली। खेत में काम करते समय अचानक शुरू हुई तेज बारिश से बचने के लिए एक वृद्ध किसान आम के पेड़ के नीचे क्या रुका, वही पेड़ उसके लिए साक्षात काल बन गया। कडक्रड़ाहट के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से किसान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की शिनाख्त बिजौरी निवासी लल्लू सिंह गोंड उम्र 60 वर्ष के रूप में हुई है। लल्लू सिंह अपने खेत में कृषि कार्य में जुटे थे कि तभी अचानक मौसम ने करवट बदली और मूसलाधार बारिश होने लगी। खुद को भीगने से बचाने के लिए वे पास ही मौजूद आम के पेड़ की ओट में खड़े हो गए। इसी बीच आसमान से गिरी मौत की बिजली ने उन्हें बुरी तरह झुलसा दिया। कुछ देर बाद जब ग्रामीण वहां पहुंचे, तो किसान का अचेत शरीर पड़ा मिला। सोहागपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिले में इस सीजन में अब तक आसमानी बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रशासन ने सख्त हिदायत दी है कि खराब मौसम और बिजली चमकने के दौरान भूलकर भी पेड़ों के नीचे, बिजली के खंभों के पास या खुले खेतों में न रुकें, क्योंकि ये स्थान बिजली को सबसे पहले अपनी ओर खींचते हैं। यदि आप खुले में हैं, तो तुरंत किसी पक्के मकान की शरण लें।

मदन एजेंसी के पीछे सीवर लाइन के गड्ढे ने लिया दलदल का रूप

शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल के दावों की पोल एक बार फिर रीवा रोड पर खुल गई है। वार्ड क्रमांक 11/15 स्थित मदन एजेंसी के पीछे की सडक इन दिनों स्थानीय रहवासियों और राहगीरों के लिए किसी सजा से कम नहीं है। विकास के नाम पर सीवर लाइन बिछाने आई निर्माण एजेंसी ने सडक के बीचों-बीच एक बड़ा काल रूपी गड्ढा खोदा था। स्थानीय जनता के भारी विरोध के बाद एजेंसी के गैर-जिम्मेदार कारिंदों ने गड्ढे को कंक्रीट से पक्का करने के बजाय, सिर्फ मिट्टी और मुरम डालकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।नतीजा यह हुआ कि लगातार हो रही बारिश ने इस मिट्टी को खौफनाक दलदल और जानलेवा कीचड़ में तब्दील कर दिया है। स्थिति यह है कि सडक पर पैदल चलना तो दूर, दोपहिया और चार पहिया वाहनों का निकलना भी दूभर हो गया है। वाहनों के पहिए बार-बार फिसल रहे हैं, जिससे लोग रोजाना गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सबसे ज्यादा आफत उन मासूम स्कूली बच्चों और लाचार बुजुर्गों पर आ पड़ी है, जिन्हें रोज इसी नरक से होकर गुजरना पड़ता है। रहवासियों का सीधा आरोप है कि नियमों के मुताबिक सीवर लाइन का काम पूरा होने के बाद सडक को

उसकी पुरानी और पक्की स्थिति में बहाल करना निर्माण एजेंसी की वैधानिक जिम्मेदारी थी, लेकिन नगर पालिका के निकम्मेपन के चलते ठेकेदार ने सिर्फ कागजी खानापूर्ति की। स्थानीय नागरिकों ने अब नगर पालिका प्रशासन और संबंधित कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर इस सडक पर तत्काल कंक्रीट का पैचवर्क कर इसे सुगम नहीं बनाया गया, तो जनता सडक्रों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेगी। देखना होगा कि कुंभकर्णी नींद में सोई नगर पालिका किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है या समय रहते जागती है।

खबर संक्षेप

वंदेमातरम गायन के साथ की गई शुरूआत

उमरिया। कलेक्ट्रेट परिसर में माह के प्रथम कार्य दिवस पर आयोजित होने वाले पारंपरिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की उपस्थिति में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी तथा कलेक्ट्रेट के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनूपपुर के अक्ष ने ऑस्ट्रेलिया में बनाई पहचान

राजनगर। छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने वाले अनूपपुर जिले के राजनगर निवासी छात्र अक्ष शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित ला ट्रोब विश्वविद्यालय, मेलबर्न में छात्रवृत्ति के साथ प्रवेश प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। स्टूडेंट वीजा मिलने के बाद अक्ष जल्द ही उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अक्ष शर्मा, सुरेंद्र कुमार शर्मा एवं श्रीमती सुमिता शर्मा के पुत्र हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक सभी परीक्षाएं और प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय ने उन्हें छात्रवृत्ति भी प्रदान की है, जो उनकी प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण है। अक्ष ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के साथ अपने नाना-नानी, मामा और मौसी को दिया, जो वर्तमान में मेलबर्न में निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के विश्वास, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन ने उन्हें हर चुनौती का सामना करने की ताकत दी। उन्होंने अपने शिक्षकों, गुरुजनों और शुभचिंतकों का भी आभार व्यक्त किया। परिजनों ने बताया कि अक्ष शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और अनुशासित रहे हैं। वर्षों की मेहनत, लक्ष्य के प्रति समर्पण और परिवार के सहयोग का ही परिणाम है कि आज उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय में अध्ययन का अवसर मिला है। अक्ष शर्मा की यह उपलब्धि जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे पाने के लिए ईमानदारी से मेहनत की जाए, तो सीमित संसाधनों के बावजूद वैश्विक मंच पर भी सफलता हासिल की जा सकती है। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद अक्ष अपने ज्ञान और अनुभव से देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

महिलाओं को बड़ी राहत

कोतमा। क्षेत्र की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अनूपपुर जिले के कोतमा स्थित गोविंदा कॉलरी क्लब में महिला सेवादल कांग्रेस जिला अध्यक्ष संध्या वर्मा के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं अन्य मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. एफएन सागर ने महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर उपचार एवं आवश्यक सलाह दी। विशेषज्ञ चिकित्सक की मौजूदगी से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा का लाभ मिला। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संध्या वर्मा ने कहा कि कोतमा क्षेत्र में लंबे समय से महिला विशेषज्ञ चिकित्सक की कमी के कारण महिलाओं को उपचार के लिए बाहर जाना पड़ता था। अब यह कमी दूर हो गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सोनोग्राफी की सुविधा भी उपलब्ध हो चुकी है, जिससे गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मरीजों को जांच के लिए दूसरे शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

किराए की डिग्री पर चल रहा अवैध पैथोलॉजी और एक्स-रे का फर्जीवाड़ा

मरीजों की जिंदगी भगवान के रहमों करम पर

स्वास्थ्य विभाग के संरक्षण में संचालित नियम विरुद्ध पैथोलॉजी

कटघरे में अधिकारियों की कार्य प्रणाली

ग्रामीण क्षेत्रों में इन दोनों प्रतिदिन सैकड़ो मैरिज अवैध पैथोलॉजी के जाल में फंसकर आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं, अवैध पैथोलॉजी के कारोबार में समाज के नामी ग्रामीण लोग भी शामिल हैं, लिहाजा उनके खिलाफ प्रशासन कोई कार्यवाही करने से कतराता है, मरीजों की जिंदगी पूरी तरह भगवान के रहमों करम पर निर्भर है।

मानपुर।

जनपद मुख्यालय और इसके आसपास के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ का एक खौफनाक और घिनौना खेल चल रहा है। एक तरफ जहां क्षेत्रीय जनता की उम्मीदों का केंद्र मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुद बदहाली के आंसू रो रहा है, वहीं दूसरी तरफ इस लचर व्यवस्था का फायदा उठाकर क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों और फर्जी डायग्नोस्टिक सेंटरों की बाढ़ आ गई है। मानपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिल्हारी में तो फर्जीवाड़े ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यहां झुग्गी-झोपडिय़ों तक में तथाकथित डॉक्टरों के बड़े-बड़े बोर्ड लटके हुए हैं, जो सीधे-साधे और गरीब मरीजों का दिन-दहाड़े आर्थिक और शारीरिक शोषण कर रहे हैं।

सेवा पैथोलॉजी पर नियमों को ठेंगा दिखाने का आरोप

स्थानीय स्तर पर की गई पड़ताल में सामने आया है कि मानपुर

मुख्यालय से बिल्कुल सटीक ग्राम चिल्हारी में स्वास्थ्य माफियाओं ने पैर पसार लिए हैं। यहां सेवा पैथोलॉजी नामक लैब का संचालन विष्णुकांत यादव द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो बिना किसी वैध तकनीकी योग्यता के, सिर्फ चंद रुपयों के लालच में खुले इस जांच केंद्र पर अप्रशिक्षित तकनीशियन मरीजों के खून और अन्य जरूरी सैंपलों से खेल रहे हैं। इतना ही नहीं, मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के इर्द-गिर्द और चिल्हारी के गली-कूचों में कई अवैध पैथोलॉजी और एक्स-रे सेंटर खुल गए हैं। इन सेंटरों का एकमात्र मकसद मरीजों की जेब पर डकैती डालना है। डॉक्टरों और इन अवैध लैब संचालकों के बीच कमीशनखोरी का ऐसा गठजोड़ बन चुका है कि अस्पताल आने वाले हर साधारण मरीज को भी जबरन तरह-तरह की पैथोलॉजी जांचें करवाने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। जहां सामान्य सर्दी-खांसी में किसी जांच की आवश्यकता नहीं होती, वहां भी हजारों रुपए के टेस्ट लिख दिए

जाते हैं। यह आर्थिक दबाव गरीब ग्रामीणों की कमर तोड़ रहा है।

यह कहती है देश की सर्वोच्च अदालत

दिसंबर 2017 सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर आदेश दिया है कि किसी भी पैथोलॉजी या डायग्नोस्टिक लैब की रिपोर्ट पर केवल और केवल एमडी पैथोलॉजिस्ट या मेडिकल काउंसिल/एनएमसी में पंजीकृत पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री/डिप्लोमा धारी डॉक्टर ही हस्ताक्षर कर सकते हैं।

गाइडलाइन की सरेआम धज्जियां

चिल्हारी और मानपुर में संचालित हो रही इन लैबों में जो डिग्रियां दीवारों पर चमक रही हैं, वे असल में केवल कागजों पर हैं। सूत्रों का दावा है कि कथित लैब संचालकों ने कुछ डॉक्टरों को मोटी रकम देकर उनकी डिग्रियां किराए पर ले रखी हैं। मजे की बात यह है कि एक ही डॉक्टर की डिग्री के दम पर क्षेत्र में कई-कई पैथोलॉजी धड़ल्ले से चलाई जा रही हैं, जबकि वह डॉक्टर कभी संबंधित लैब में कदम तक नहीं रखता। नियमों के मुताबिक, बी-फार्मा या गायनोकोलॉजी डिग्री धारक कभी भी स्वतंत्र पैथोलॉजी लैब के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता नहीं हो सकते, लेकिन यहां सब मुमकिन है।

लैब तकनीशियनों पर प्रतिबंध

केवल बी.एससी, एम.एससी या डीएमएलटी की डिग्री रखने वाले तकनीशियन टेस्ट प्रोसेस तो कर सकते हैं, लेकिन वे स्वतंत्र रूप से बिना किसी अधिकृत डॉक्टर के सत्यापन के रिपोर्ट जारी नहीं कर सकते। बिना एमडी पैथोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर वाली रिपोर्ट कानूनी रूप से अमान्य और अपराध की श्रेणी में है। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग और इंडियन मेडिकल काउंसिल के कड़े प्रावधानों के तहत, बिना वैध रजिस्ट्रेशन और बिना विशेषज्ञ डॉक्टर के पैथोलॉजी का संचालन सीधे तौर पर धोखाधड़ी है। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों के खिलाफ एफ़आईआर दर्ज करने, संस्थान को सील करने और सख्त कानूनी धाराएं लगाकर जेल भेजने का स्पष्ट प्रावधान है।

विभाग ने मूंद रखी हैं आंखें

शासन के इतने सख्त नियमों के बावजूद मानपुर में यह अवैध साम्राज्य कैसे फल-फूल रहा है? इसका जवाब है स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही और कथित मूक सहमति। जिला स्वास्थ्य विभाग ने जैसे मानपुर और चिल्हारी के इन अवैध सेंटरों को खुली छूट दे रखी है। विभाग के अधिकारी दफ्तरों से बाहर निकलकर इन कागजों और दस्तावेजों की जांच करने की जहमत तक नहीं उठाते। जब इस पूरे फर्जीवाड़े, झोलाछापों के आतंक और सेवा पैथोलॉजी की अवैध गतिविधियों को लेकर मानपुर के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. एन.पी. जैसल से संपर्क साधने की कोशिश की गई, तो हमेशा की तरह जिम्मेदार साहब ने फोन उठाना ही उचित नहीं समझा। क्षेत्र में चर्चा है कि जब भी कोई गंभीर मुद्दा उठता है, तो जिम्मेदार अधिकारी अपनी नाकामी छुपाने के लिए या तो मीटिंगों का बहाना बना लेते हैं या फिर फोन से दूरी बना लेते हैं।

100 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों का इसी सप्ताह शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें: कलेक्टर

विभागीय अधिकारी माह के प्रारंभ से ही ए ग्रेड में आने का प्रयास करें-कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इसी सप्ताह अधिकारी 100 दिन से अधिक की शिकायतों का निराकृत कर शून्य की स्थिति में लाएं साथ ही माह के प्रारंभ से ही सभी अधिकारी ए ग्रेड में आने का प्रयास करें । हितग्राहियों से संबंधित शिकायतों का विभाग प्राथमिकता से निराकरण करें। विभागीय अधिकारी समन्वय बनाकर निराकरण करें। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत अन अटेडेंट नही रहें। उन्होने महिला एवं बाल विकास विभाग से कहा कि आंगनबाडी का निर्माण पूर्ण करें । नवीन के लिए भूमि के चयन की कार्यवाही समय सीमा में करें । इसके साथ ही उन्होने गीता भवन के लिए उपयुक्त भूमि का चयन करनें के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्य स्थल में स्वस्थ्य वातावरण के साथ कार्य करते हुए कार्य की कुशलता को प्राथमिकता दें: श्री शर्मा

महिलाओं के कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित कार्यशाला संपन्न

उमरिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट के सभागार में महिलाओं के कार्य स्थल में लैंगिक आधारित हिंसा की रोकथाम विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रियदर्शन शर्मा ने कहा कि कार्य स्थल में स्वस्थ्य वातावरण के साथ कार्य करते हुए कार्य की कुशलता को प्राथमिकता दें , जिससे आपका व्यक्तित्व को निखरेगा ही साथ ही कार्य करने वाले भी प्रसंशित होगे। उन्होंने कहा कि कार्य स्थल में कर्मचारियों को सुग्राही बनानें के लिए नियमित अंतरालों पर कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएं ताकि कार्य स्थल में लैगिंक उत्पीडन जैसी कोई स्थिति निर्मित न हो ।

लैंगिक उत्पीडन से संरक्षण तथा गरिमा से कार्य करने का अधिकार, महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के विभेदों को दूर करनें संबंधी अभिसमय सर्व व्यापी और मान्यता प्राप्त ऐसा मानवाधिकार है, जिनका भारत सरकार व्दारा अनु समर्थन किया गया और बाद में यह अधिनियम भी बना । किसी भी महिला का किसी कार्य स्थल पर लैगिंक उत्पीडन नही किया जाएगा। कार्य स्थल में आंतरिक परिवाद समिति गठित की जाएगी , जो महिलाओं की समस्याओं के प्रति प्रतिबध्द होगी। उन्होंने कहा कि समिति में जो भी सदस्य होंगे वह संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि कार्य स्थल पर लैगिंक शोषण में लैगिक

जागरूकता तथा सतर्कता आवश्यक है। लैगिक उत्पीडन के संबंध में सी बॉक्स में शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। साथ ही मिशन शक्ति के एप में भी शिकायत की जा सकती है। उन्होंने अपेक्षा की , कि कार्य स्थल में महिला व पुरूषकर्मी बिना किन्हीं विभेदों के साथ कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि यह कार्यशाला सभी विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए सार्थक सिध्द होगी। पुरूष व महिला कर्मी अपने कर्तव्य स्थल पर बिना किसी विभेद के स्वस्थ्य वातावरण में अच्छे माहौल में कार्य करेंगे तो कार्य में गुणवत्ता भी आएगी। उन्होंने कहा कि पुरूष व महिला कर्मियों को हमेशा अपनी सीमाओं का ध्यान रखना आवश्यक है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोहन डाबर ने कहा कि कार्य स्थल की साख कर्मचारियों और अधिकारियों से ही जुडी होती है । कार्यालय में लैगिक अपराध अधिनियम के संबंध में जानकारी होना आवश्यक है तथा इसके निवारण के लिए समिति का गठन भी कार्यालयों में आवश्यक रूप से किया जाना चाहिए।

कार्यशाला में डॉ. ऋचा गुप्ता ने कहा कि यह कार्यशाला महिलाओं को जागरूकता का संदेश देने के लिए आयोजित की गई है। महिलाएं अपने अधिकारों से अवगत हो और वह जीवन के हर क्षेत्र में गौरव एवं अस्मिता को बनाएं रखें तथा गलत से समझौता न करें। इससे पूर्व जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज में लैगिक समानता , महिलाओ के अधिकारों की सुरक्षा तथा जागरूकता बढाने के उददेश्य से आयोजित किया गया है। कार्यशाला के अंत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा सुरक्षित एवं सम्मान जनक कार्य के संबंध में शपथ दिलाई गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने अपेक्षा की , कि यह कार्यशाला उपयोगी साबित होगी । उन्होंने अतिथियो के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुशील मिश्रा ने किया ।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग रूचि बागरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिवसागर धाम में बावड़ी उत्सव के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में 30 मार्च से 30 जून तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान का विकासखंड स्तरीय समापन कार्यक्रम मंगलवार को वार्ड क्रमांक-5 स्थित शिवसागर धाम तलैया, कोतमा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत बावड़ी उत्सव मनाया गया, जिसमें जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों के संवर्धन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिव मंदिर में आरती एवं पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद कलश यात्रा निकाली गई तथा तालाब और जल स्रोत की साफ-सफाई कर श्रमदान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक सरीमन साकेत ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों जैसे बावड़ी, तालाब और कुओं का संरक्षण एवं पुनर्जीवन करना है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से ही जल संकट का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने सभी से भविष्य में भी जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मां अंबे सेवा समिति के सचिव दिलीप शुक्ला ने अभियान के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी देते हुए नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मां अंबे सेवा समिति के दिलीप शुक्ला, ग्राम विकास पशुपतिनाथ भक्त नवांकुर संस्था के हिरेन तिवारी, समाजसेवी शर्मा, मंदिर के पुजारी पुष्पेंद्र शर्मा, परामर्शदाता रश्मि रैकवार, अजय शर्मा, देवांश रैकवार, कीर्तिराज जैन, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

42 साल की निष्कलंक सेवा के बाद एसईसीएल को कहा अलविदा

जेपी श्रीवास्तव को बैंड-बाजे और सम्मान के साथ दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के हसदेव क्षेत्र अंतर्गत राजनगर आर.ओ. के सीनियर मैगजीन इंचार्ज (कार्यालय अधीक्षक) जेपी श्रीवास्तव मंगलवार को 42 वर्षों की लंबी और निष्कलंक सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में अधिकारियों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों ने फूल-मालाएं पहनाकर, शॉल-श्रीफल भेंट कर तथा बैंड-बाजे के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी। पूरे कार्यक्रम का माहौल भावुक और सम्मानपूर्ण रहा। जेपी श्रीवास्तव ने मात्र 18 वर्ष की आयु में कोल इंडिया की सेवा शुरू की थी। चार दशक से अधिक के सेवाकाल में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी और अनुशासन से अलग पहचान बनाई। वे श्रमिक संगठन इंटक के हसदेव क्षेत्रीय महामंत्री, जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर के कोषाध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तथा समाजसेवी के रूप में भी सक्रिय रहे हैं। प्रशासनिक और सामाजिक दायित्वों के साथ उन्होंने खेल जगत

में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। बैडमिंटन के उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में उन्होंने कंपनी और कोल इंडिया स्तर की कई प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल की। उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र के अनेक खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर पहचान बनाई। विदाई समारोह में उपक्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार राय, खान प्रबंधक दीपक बंटिया, कार्मिक प्रबंधन अधिकारी आर.पी. कुर्रे, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक धर्मेंद्र दत्त तिवारी, अमन नामदेव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्रीवास्तव के कार्यकाल को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की और स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में श्रीमती रूपा श्रीवास्तव सहित परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। सहकर्मियों ने कहा कि जे.पी. श्रीवास्तव का सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और कार्य के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ी के कर्मचारियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

जमुना-कोतमा क्षेत्र की कॉलोनियों में तेज हुई सफाई व्यवस्था शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंच रही टीम

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। कोतमा क्षेत्र की एसईसीएल कॉलोनियों में इन दिनों सफाई अभियान तेज गति से चलाया जा रहा है। कॉलोनियों की नियमित साफ-सफाई के साथ नालियों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। सफाई कार्य की निगरानी कर रहे रंजीत नामदेव ने बताया कि वह उन्नति कंस्ट्रक्शन के माध्यम से कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था का संचालन देख रहे हैं उनके अनुसार सफाई कार्य पूरी पारदर्शिता और नियमित रूप से किया जा रहा है इसके लिए एक विशेष व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें प्रतिदिन सफाई से पहले और सफाई के बाद की तस्वीरें साझा की जाती हैं इस ग्रुप में क्षेत्र के संबंधित अधिकारी भी जुड़े हुए हैं, जिससे कार्य की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है और जवाबदेही बनी हुई है। उन्होंने बताया कि कॉलोनी के किसी भी हिस्से से सफाई संबंधी शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित कर्मचारियों को तत्काल मौके पर भेजा जाता है और प्राथमिकता के आधार पर सफाई कराई जाती है। नियमित निरीक्षण के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कहीं भी गंदगी लंबे समय तक न बनी रहे। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से सफाई व्यवस्था में सुधार दिखाई दे रहा है। नियमित सफाई होने से कॉलोनियों का वातावरण स्वच्छ हो रहा है और लोगों को भी राहत मिल रही है स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि इसी तरह नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई जारी रही तो क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था और अधिक बेहतर होगी। सफाई कार्य से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और कहीं भी गंदगी दिखाई देने पर तत्काल सूचना दें, ताकि समय रहते उसका निराकरण किया जा सके।

खबर संक्षेप

वन्य प्राणियों के लिए नहीं की पेयजल की व्यवस्था

बड़वारा। वन्य प्राणियों की सुरक्षा व संसाधन उपलब्ध करवाने के तमाम दावों पर वन विभाग के अधिकारियों की बेपरवाही देखी जा रही है। बड़वारा तहसील मुख्यालय अंतर्गत पठरा के जंगलों में पूरे ग्रीष्म काल मे भी तमाम तरह के फंड होने के बावजूद वनों में विचरण करने वाले वन्य जीवों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था नहीं की गई जबकि शासन द्वारा हर वर्ष वजट भी उपलब्ध करवाया जाता है इसके बावजूद वन्य प्राणियों के लिए पेयजल के वास्ते माकूल इंतजाम नही किया गए। कुंडम प्रोजेक्ट के अधिकारियों से इस बावद बात करने पर उनका एक ही जबाब है की शासन से वजट उपलब्ध नही करवाया गया। कुंडम प्रोजेक्ट के रेंजर जुनैद हुसैन का कहना है शासन से वन्य प्राणियों के पेयजल के लिए अतिरिक्त वजट उपलब्ध नही करवाया गया इसलिए पेयजल के इंतजाम नही करवाए जा सके। वजट प्राप्त होने पर सभी व्यवस्थाएँ की जाएंगी।

डॉ. मेहर ने संभाला जिला आयुष अधिकारी का पदभार

कटनी। राज्य शासन के आयुष विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में डॉ. प्रमोद कुमार मेहर ने जिला आयुष अधिकारी, कटनी का पदभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. मेहर इससे पूर्व सिंगरौली जिले में पदस्थ थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले डॉ. आशीष रेजा जिला आयुष अधिकारी के पद का प्रभार संभाल रहे थे। डॉ. मेहर ने समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं गोपनीय पत्राचार उनके नाम एवं पदनाम से किए जाने का अनुरोध किया है।

जन सम्मेलन-सह लांच कार्यक्रम कल

कटनी। मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक राज्य रोजगार गारंटी परिषद विकसित भारत- गारंटी का रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) व्हीबी-जी राम जी जुलाई 2026 से प्रभावशील हो जाएगी। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के शुभारंभ के अवसर पर गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को प्रातः 11 बजे राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अनुक्रम में जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह लांच कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जनपद पंचायत रीठी की ग्राम पंचायत बड़गांव में आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक जन सहभागिता, नवीन कार्यों का शुभारंभ, योजना के प्रमुख प्रावधानों जैसे 125 दिवस रोजगार गारंटी, डिजिटल प्रणाली पारदर्शिता एवं विकेंद्रीकृत योजना निर्माण संबंधी जानकारी आदि का व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया है। राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण कवीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कार्यक्रम में श्रमिकों और हितग्राहियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए तकनीकी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के अधिकारियों को निर्देशित किया है।

जोन कार्यालय में करा सकेंगे समग्र आई.डी से संबंधित कार्य

कटनी। नागरिकों की सुविधा एवं समग्र आई.डी से संबंधित कार्यों की सुविधा आसानी से प्राप्त करने की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर नगर निगम कार्यालय के अलावा जोन तीन जोन अन्य कार्यालयों जोन कार्यालय क्रमांक 1 बस स्टैंड, जोन कार्यालय क्रमांक 2 दुर्गा चौक खिरहनी सहित जोन कार्यालय माधव नगर के माध्यम से भी समग्र आई डी बनवाने एवं आवश्यक सुधार कार्यो हेतु आवश्यक सुविधा प्रदान की जा रही है। नागरिकों की सुविधा के मद्देनजर जोन क्रमांक 1 के वार्ड क्रमांक 1 से 12 तक के लिए आदर्श पाण्डेय की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं जोन क्रमांक 2 दुर्गा चौक खिरहनी के वार्ड क्रमांक 13 से 21 तक के नागरिकों के समग्र आई.डी संबंधी कार्य हेतु श्रीमती ज्योति मिश्रा को नियुक्त किया गया है। निगम कार्यालय के समग्र केन्द्र से वार्ड क्रमांक 22 से 27 तक तथा वार्ड क्रमांक 29 से 37 तक के नागरिकों के समग्र आई से संबंधित कार्य हेतु निखिल तिवारी की ड्यूटी लगाई है।

बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस के ठहराव की मांग तेज

एनएसयूआई ने रेलवे प्रशासन को पुनः सौंपा ज्ञापन,

बिरसिंहपुर पाली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर अब तक कोई कार्रवाई न होने के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर एवं स्टेशन प्रबंधक, बिरसिंहपुर पाली को पुनः ज्ञापन सौंपकर बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस (ट्रेन क्रमांक 15231/15232) का बिरसिंहपुर पाली रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई।

प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी रेलवे प्रशासन द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों, मरीजों, नौकरी पेशा लोगों एवं आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आपने बताया की बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का ठहराव क्षेत्र की जनता लंबे समय से चली आ रही हैं यह इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण सवारी गाड़ी है जिसकी मांग है अन्य मंचों से भी की जा रही हैं, यह ऐसी सवारी गाड़ी है जिसके ठहराव से यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी तथा क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। यदि शीघ्र ही इस विषय में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो एनएसयूआई द्वारा जनहित में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी।ज्ञापन सौपने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया, ब्लॉक अध्यक्ष जॉनी तिवारी, फैजान नियाजी, राजा नामदेव, सोहेल नियाजी, साजिद वारसी एवं हर्षित तिवारी आदि युवा साथी उपस्थित रहे।

नेशनल डॉक्टर डेः युवा टीम उमरिया ने डॉक्टर को शॉल-श्रीफल से किया धन्यवाद व सम्मानित

उमरिया। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय उमरिया के डॉक्टर्स को श्रीफल व शाल देकर धन्यवाद और सम्मानित किया गया।

सम्मान कार्यक्रम के दौरान युवा टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने चिकित्सक के महत्व को बताते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में चिकित्सक की अहम भूमिका है लेकिन देश में चिकित्सक के ऊपर निरंतर भार बढ़ता जा रहा है। उन परिस्थितियों में चिकित्सक अपने दायित्वों का सही निर्वहन करें इसके लिए हमें उनका मान सम्मान और प्रोत्साहन करना चाहिए।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. के०सी सोनी ने कहा कि हिमांशु तिवारी और उनकी युवा टीम समय-समय पर चिकित्सा स्वास्थ्य क्षेत्र में निःशुल्क सेवाएं प्रदान करती रहती है और आज जिस तरह से आगे बढ़कर पूरी टीम ने चिकित्सकों का सम्मान किया है। हम सभी चिकित्सक अपने दायित्वों का और गंभीरता से पालन करेंगे। डॉक्टर दिवस केवल सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति चिकित्सकों की जिम्मेदारी को याद करने का दिन है. उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के सभी चिकित्सक पूरी निष्ठा से मरीजों की सेवा कर रहे हैं, जिसके कारण अस्पताल में विभिन्न विभागों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं. उन्होंने सभी चिकित्सकों को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ के सी सोनी, आर एम ओ डॉ संदीप सिंह, वरिष्ठ सर्जन डॉ बी के प्रजापति, डॉ एस के निपाने, डॉ सी पी शाक्य, डॉ मुकुल तिवारी, डॉ अनामिका तिवारी, डॉ राजीव लोचन दिवेदी, डॉ मानसी, डॉ व्योमा वर्मा, वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन वीरेंद्र शर्मा, अनिल द्विवेदी, युवा टीम से हिमांशु तिवारी,राहुल सिंह श्रीराम तिवारी वं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

राजनगर उपक्षेत्रीय प्रबंधक से क्षेत्रीय जन समस्याओं को लेकर प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

ज्ञापन सौंपकर त्वरित समाधान की मांग

राजनगर। अनूपपुर जिले के राजनगर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण को लेकर समाजसेवियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपक्षेत्रीय प्रबंधक, राजनगर से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से कॉलोनियों के आवासों के पीछे स्थित नालियों की नियमित एवं समुचित साफ-सफाई कराए जाने की मांग की गई, ताकि जलभराव, गंदगी एवं मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से लोगों को राहत मिल सके। इसके साथ ही कॉलोनियों में स्थापित विद्युत पोल एवं स्ट्रीट लाइटों के आसपास उगी झाड़ियों और पेड़-पौधों की तत्काल छंटाई कराने की मांग रखी गई, जिससे प्रकाश व्यवस्था सुचारु रहे और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। प्रतिनिधिमंडल ने शांतिनगर स्थित जर्जर जल टंकी की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए उसकी तत्काल तकनीकी जांच एवं आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उपक्षेत्रीय प्रबंधक ने समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान सिविल विभाग के द्विवेदी जी भी उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने संबंधित ठेकेदार को तत्काल आवश्यक कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए तथा सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में जितेंद्र तिवारी, आलोक सिंह, पिंकू सिंह, राहुल सिंह सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे।

15 अगस्त तक इंटेंसिव रजिस्ट्रेशन एंड अवेयरनेस ड्राइव का आयोजन

उमरिया। मेरा युवा भारत (माय भारत) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार व्दारा जारी निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को माय भारत पोर्टल से जोड़ने के लिए इंटेंसिव रजिस्ट्रेशन एंड अवेयरनेस ड्राइव का आयोजन 1 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। उमरिया जिले के युवाओं को राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिभाग कराने की दृष्टि से यह एक कारगर अवसर है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उमरिया जिले में माय भारत पोर्टल पर युवाओं के बड़ी संख्या में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए विभाग/अधिकारियों को सहयोग के लिए दायित्व सौंपा है । उन्होने कहा है कि कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु सौंपे गये दायित्वों निर्वहन सुनिश्चित करें। इस संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु उमा शंकर त्रिवेदी, जिला युवा अधिकारी, कार्यालय मेरा युवा भारत जिला उमरिया मोबाईल 8920706966 से संपर्क किया जा सकता है।

12वें वेतन समझौते की हुंकारः एक मंच पर आए चारों श्रमिक संगठन महाप्रबंधक कार्यालय में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार को भेजा ज्ञापन

धनपुरी। कोयला उद्योग के लाखों कर्मचारियों के बहुप्रतीक्षित 12वें वेतन समझौते को शीघ्र लागू कराने की मांग अब निर्णायक दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। बुधवार, 1 जुलाई 2026 को इंडियन माइन वर्कर्स फेडरेशन (IMWF) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में 'मांग दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान एटक, इंटक, एचएमएस और सीटू से जुड़े पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कोयला श्रमिकों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और महाप्रबंधक के माध्यम से भारत सरकार के कोयला मंत्री तथा कोल इंडिया के चेयरमैन के नाम ज्ञापन सौंपा।

कार्यक्रम में श्रमिकों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोयला उत्पादन में लगातार रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल करने वाले कर्मचारियों को उनके अधिकारों से वंचित नहीं रखा जा सकता। वर्षों से लंबित 12वें वेतन समझौते को तत्काल अंतिम रूप देकर लागू किया जाए, ताकि कर्मचारियों को आर्थिक लाभ मिल सके।

सभा को संबोधित करते हुए एटक के क्षेत्रीय अध्यक्ष रावेन्द्र शुक्ला ने कहा कि कोयला कर्मियों ने हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का दायित्व निभाया है। इसके बावजूद वेतन समझौते में लगातार हो रही देरी कर्मचारियों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। उन्होंने कहा कि अब श्रमिक अपने अधिकारों के लिए पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ संघर्ष करेंगे। क्षेत्रीय सचिव राजेश शर्मा ने कहा कि चारों केंद्रीय श्रमिक संगठनों का एक मंच पर आना इस बात का प्रमाण है कि कर्मचारियों की मांग पूरी तरह न्यायोचित है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

मांग दिवस कार्यक्रम में अमरजीत सिंह, विनोद राय, राकेश पाण्डेय, राकेश राय, अरुण गौतम, विनोद तिवारी, मुकेश राय, अम्बिका तिवारी, अरुण शुक्ला, अजय तिवारी, कमलेश्वर सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों श्रमिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए 12वें वेतन समझौते को जल्द लागू करने की मांग बुलंद की। ज्ञापन के माध्यम से श्रमिक संगठनों ने केंद्र सरकार और कोल इंडिया प्रबंधन से आग्रह किया कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए वेतन समझौते की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि मांगों की लगातार अनदेखी होती रही तो आगामी दिनों में चरणबद्ध एवं व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन और सरकार की होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य समापन, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का लिया शपथ

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में मध्यप्रदेश शासन कि महत्वपूर्ण योजना जल गंगा संवर्धन अभियान विगत तीन माह से प्रदेश में चल रही थी जिसका समापन 30 जून को हुआ। इसी क्रम में नगर परिषद बनगवां में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद क्षेत्र के भीतर कई तालाब, कुआं, जल स्त्रोतों, नालों, मे अभियान चलाया गया। अंतिम चरण में वार्ड नंबर 13, टीपी लाइन के तालाब में सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में नगर के यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), लखन लाल पानिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधियो, नगर वासियों, स्थानीय पत्रकारों, परिषद के कर्मचारी गण, का सहयोग रहा। इस ऐतिहासिक जल गंगा संवर्धन अभियान का समारोह पूर्वक 30 जून को समापन हुआ। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों ने जल को बचाने, उसके दुरुपयोग को रोकने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की सामूहिक शपथ ली।

चाकू से हमला कर युवक की हत्या के मामले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

थाना रंगनाथ नगर क्षेत्र के अंतर्गत मंगल नगर में मामूली विवाद के चलते एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर उसकी हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी रिश्ते में पिता-पुत्र हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 जून 2026 को फरियादी संतोष गोड़ 39 वर्ष निवासी मंगल नगर ने थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि मोहल्ले के ही रमेश यादव और उसके बेटे रितेश यादव ने उनके तथा उनके भाई कन्हैया गोड़ के साथ विवाद किया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से कन्हैया गोड़ पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल कन्हैया गोड़ को तुरंत जिला अस्पताल कटनी ले जाया गया, जहाँ उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जबलपुर रेफर कर दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश, जबलपुर ले जाते समय रास्ते में ही कन्हैया ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया।

हत्या की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में रंगनाथ नगर थाना प्रभारी अरुण पाल सिंह के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों आरोपियों रमेश यादव 41 वर्ष, रितेश यादव पिता रमेश यादव 19 निवासी मंगल नगर शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

जल संरक्षण बना जनआंदोलन

श्रमदान और पौधरोपण के साथ संपन्न हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान, जल स्त्रोतों की रक्षा का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। पानी की हर बूंद को बचाने और जल स्त्रोतों के संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रदेशभर में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान का नगरपालिका परिषद बिजुरी में जनसहभागिता के साथ समापन हो गया। करीब साढ़े तीन माह तक चले इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, नगरपालिका अमले, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने मिलकर तालाबों, कुओं एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, संरक्षण और पौधरोपण जैसे कार्य किए। समापन अवसर पर जल संरक्षण को जीवन का संकल्प बनाने का संदेश भी दिया गया।19 मार्च से शुरू हुए अभियान के दौरान नगर के वार्ड क्रमांक 10 स्थित दुर्गा मंदिर तालाब, वार्ड क्रमांक 9 के सूर्य मंदिर तालाब, वार्ड क्रमांक 15 के भवनिया तालाब, वार्ड क्रमांक 1 के दुल्ही कुंड, वार्ड क्रमांक 7 स्थित बूढ़ी माता चौरा के समीप तालाब, वार्ड क्रमांक 8 के जिल्धा तालाब सहित कई जल स्त्रोतों की सफाई कर उन्हें अतिक्रमण और गंदगी से मुक्त रखने का प्रयास किया गया। इसके अलावा जल संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं।अभियान के तहत मुख्यमंत्री के आह्वान पर ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों

पर पौधरोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन के बीच संबंध को रेखांकित करते हुए नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की गई।अभियान के अंतिम दिन वार्ड क्रमांक 7 एवं 8 के तालाबों में जनप्रतिनिधियों, नगरपालिका अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर साफ-सफाई की। श्रमदान के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि जल स्त्रोतों की सुरक्षा केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व भी है। नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका ने कहा कि आज जिस तेजी से भूजल स्तर गिर रहा है और जल स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं, उसे देखते हुए जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। यदि अभी से तालाबों, कुओं और प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा नहीं की गई तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपने आसपास के जल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई, संरक्षण और वर्षा जल संचयन को अपनाने की अपील की। मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन कुमार साहू ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य केवल जल स्त्रोतों की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में जल संरक्षण के प्रति स्थायी जागरूकता पैदा करना भी है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका भविष्य में भी ऐसे अभियान चलाकर नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करेगी।समापन कार्यक्रम में नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रीती शर्मा, पार्षद विमला पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष रिंकु शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन, डॉ. शुभाशीष सरकार, अजीत शिसोदिया, डी.एन. मिश्रा, सुदामा पांडे, देव सिंह मरकाम, कामता सेन, पंकज श्रीवास्तव, तरुण मिश्रा, धनंजय पटेल, सुरेश धनवार, सौरव शुक्ला, रवि गुप्ता, राज कुमार प्रिंस, प्रदीप यादव, विनोद नाहर, मुकेश कल्शा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने जल संरक्षण को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने और नगर के जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने आयोजित किया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। ग्राम पंचायत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा उनके आय के स्त्रोत सृजन के संबंध में 29 एवं 30 जून को दो दिवसीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 60 ग्राम पंचायतों के 180 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायतो की स्वयं की आय में वृद्धि की विभिन्न से स्त्रोतों की जानकारी, स्थानीय संसाधनो के प्रभावी उपयोग पंचायत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को भवन कर, जल कर, बाजार शुल्क सहित विभिन्न करों एवं शुल्कों के प्रभावी संग्रहण, ग्राम पंचायत की परिसंपत्तियों (दुकान, भवन, तालाब, हाट-बाजार आदि) से आय अर्जित करने के उपाय, केंद्र एवं राज्य शासन से प्राप्त अनुदान, विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध वित्तीय सहायता तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कर संग्रहण में पारदर्शिता, नियमित लेखा-जोखा एवं वित्तीय अनुशासन के महत्व पर चर्चा कर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के जिज्ञासा पर विषय विशेषज्ञों द्वारा सभी प्रश्नों का समाधान करते हुए व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पल्स पोलियो अभियान के तहत 1 लाख 12 हजार 352 बच्चों को पिलाई गई दवा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के दिशा निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अलका तिवारी के मार्गदर्शन में जिले में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान संचालित किया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में निर्धारित लक्ष्य 1 लाख 12 हजार 498 बच्चों के विरुद्ध 1 लाख 12 हजार 352 बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई गई। अभियान के दौरान पुष्पराजगढ़ विकासखंड में सर्वाधिक 36 हजार 371 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। वहीं कोतमा विकासखंड में 33 हजार 023, अनूपपुर विकासखंड में 26 हजार 735 तथा जैतहरी विकासखंड में 16 हजार 223 बच्चों को पोलियो रोधी दवा से प्रतिरक्षित किया गया। प्रथम दिवस बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई, जबकि बाद के दिनों में छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर कवर किया गया।

रोजगार सहायक पर अनियमितताओं के आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत छिल्पा में पदस्थ रोजगार सहायक मोहनलाल साहू के विरुद्ध मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अनूपपुर को एक लिखित शिकायत सौंपकर मनरेगा योजना में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मनरेगा योजना के तहत दर्जनों अपात्र एवं आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के जॉब कार्ड जारी कर फर्जी मस्टर रोल के माध्यम से भुगतान कराया गया, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का यह भी दावा है कि रोजगार सहायक लंबे समय से एक ही ग्राम पंचायत में पदस्थ हैं तथा इस दौरान विभिन्न अनियमितताएं हुई हैं। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ लाभार्थी कथित रूप से दुकानदार, व्यवसायी एवं संपन्न परिवारों से जुड़े हैं, जिन्हें नियमों के विपरीत मनरेगा का लाभ दिलाया गया। साथ ही शिकायत में रोजगार सहायक के रिश्तेदारों को भी कथित रूप से लाभ पहुंचाने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

एक साथ दो जिम्मेदारियां? हर्राटोला की सरपंच पर आशा कार्यकर्ता रहते पद संभालने का आरोप

हरिभूमि
हर्राटोला पंचायत में पत्नी सरपंच पति बना ठेकेदार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले की जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत हर्राटोला की सरपंच रामदुलारी सिंह पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि वे निर्वाचित सरपंच होने के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्यरत हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि दोनों जिम्मेदारियां एक साथ निभाने से नियमों का उल्लंघन हो सकता है तथा इससे प्रशासनिक निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। मामले की शिकायत अधिकारियों को सौंपकर निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्यवाही की मांग की गई है।

जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद के ग्राम पंचायत हर्राटोला में इस समय विकास कार्यों से अधिक चर्चा सरपंच रामदुलारी सिंह के दोहरे दायित्व को लेकर हो रही है। ग्रामीणों ने एसडीएम पुष्पराजगढ़ और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दिए गए शिकायत पत्र में भ्रष्टाचार के आरोप के साथ बताया कि कि रामदुलारी सिंह निर्वाचित सरपंच होने के बावजूद आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य कर रही हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति एक साथ दोनों जिम्मेदारियां निभा रहा है तो इसकी वैधानिक स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग यह जांच करे कि क्या यह व्यवस्था मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, पंचायत प्रतिनिधियों के आचरण संबंधी प्रावधानों तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है या नहीं है। उनका कहना है कि यदि किसी नियम का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

सरपंच के साथ आशा कार्यकर्ता रहने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि रामदुलारी सिंह वर्तमान में ग्राम पंचायत की निर्वाचित सरपंच होने के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य कर रही हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि दोनों पदों की जिम्मेदारियां अलग-अलग हैं और प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या किसी व्यक्ति द्वारा दोनों भूमिकाएं एक साथ निभाना नियमों के अनुरूप है। ग्रामीणों ने इस संबंध में दस्तावेजों की जांच कराने और वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।

नियमों के उल्लंघन की आशंका, प्रशासन से मांगा स्पष्टीकरण

शिकायत करते हुए ग्रामीणों ने कहा है कि पंचायत प्रतिनिधि और सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यकर्ता के रूप में एक साथ कार्य करने की स्थिति में हितों के टकराव की संभावना उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पंचायत एवं स्वास्थ्य विभाग के लागू नियमों का परीक्षण कर यह स्पष्ट किया जाए कि दोनों जिम्मेदारियां एक साथ निभाने की अनुमति है या नहीं। यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाए।

शासन को गुमराह करने का भी लगाया आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि दोहरी जिम्मेदारियों के चलते प्रशासनिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है और शासन को भ्रामक जानकारी दी गई है। हालांकि यह आरोप अभी केवल शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए गए हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि स्वास्थ्य विभाग, जनपद पंचायत और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से मामले की जांच कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न रहे।

सीईओ ने जांच का दिया भरोसा

जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरीश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। आशा कार्यकर्ता से संबंधित बिंदु पर स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजा गया है। जैसे ही आवश्यक अभिलेख और जानकारी प्राप्त होगी, उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

34 वर्षों की सेवा के बाद एसए. शुक्ला सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त

समारोह में दी गई भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज चचाई।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह (चचाई) में 34 वर्षों तक सेवाएं देने वाले एसएन शुक्ला सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर आयोजित सम्मान एवं विदाई समारोह में अधिकारियों, कर्मचारियों और सहकर्मियों ने उनके योगदान को याद करते हुए शाल, श्रीफल, स्मृति-चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनके सेवाकाल को ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण बताया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक अतीक अहमद ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि नए दायित्वों की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि शुक्ला ने पूरे सेवाकाल में अपनी कार्यशैली से संस्था की गरिमा बढ़ाई और कर्मचारियों के लिए प्रेरणा बने रहे। विप्र समाज के संयोजक रामनारायण द्विवेदी और राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संभागीय अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने भी उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली की सराहना करते हुए समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। सेवानिवृत्ति के बाद गृह नगर अनूपपुर पहुंचने पर शुक्ला का ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। परिवारजनों ने तिलक लगाकर और आरती उतारकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान उनके गुरु स्वामी लवलीन बाबा के सान्निध्य में आशीर्वाद समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें उन्होंने सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक जीवन का संदेश दिया। एसएन शुक्ला ने कहा कि उन्हें अपने पूरे सेवाकाल में अधिकारियों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों का भरपूर सहयोग मिला। इसके लिए उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब जीवन का शेष समय समाज सेवा, आध्यात्मिक साधना और जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित रहेगा। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, परिजन और शुभचिंतक मौजूद रहे।

बारिश के साथ बढ़ा सर्पदंश का खतरा, एक माह में 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे अस्पताल, पांच की मौत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में मानसून की शुरुआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले एक माह के दौरान जिले के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में 50 से अधिक सर्पदंश पीड़ितों का उपचार किया गया, जबकि पांच लोगों की जहरीले करैत (डंडा करायल) सांप के काटने से मौत हो गई। इनमें तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, जिला चिकित्सालय अनूपपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी, कोतमा, पुष्पराजगढ़ तथा अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्पदंश के मरीजों का समय पर उपचार कर उनकी जान बचाई गई। चिकित्सकों के अनुसार, जिन पांच लोगों की मौत हुई, उन्हें अत्यंत विषैले करैत सांप ने शरीर के संवेदनशील हिस्सों में काटा था और अस्पताल पहुंचने में देरी होने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इधर, वन्यजीव संरक्षक एवं सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ बीते दो दिनों में अनूपपुर नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से 20 से अधिक सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ा। उनकी टीम में छोटेलाल यादव, मनोज यादव, धर्मेंद्र यादव एवं लालदास सिंह शामिल रहे। सर्पप्रहरियों ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर में जागरूकता अभियान चलाते हुए चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को कोबरा, रसल वाइपर, धामन एवं अन्य प्रजातियों के सांपों की पहचान, उनके स्वभाव तथा सर्पदंश से बचाव के उपायों की जानकारी दी। इस दौरान डॉ. आरके वर्मा, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. प्रवीण भगत, डॉ. एमडी. औजेर सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ. प्रवीण शर्मा ने लोगों से अपील की कि सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक या घरेलू उपचार में समय न गंवाएं, बल्कि पीड़ित को तत्काल नजदीकी शासकीय अस्पताल पहुंचाएं। समय पर उपचार मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती

रिहायशी बस्ती में घुसा हाथी, दीवार तोड़ने से मलबे में दबे बुजुर्ग, जिले में हाथियों का आतंक जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार रात जैतहरी थाना क्षेत्र के ग्राम चोई के पड़मनिया टोला में एक अकेले नर हाथी ने रिहायशी बस्ती में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने एक मकान की दीवार तोड़ दी, जिसकी चपेट में आने से 70 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, जिले के अन्य क्षेत्रों में भी हाथियों के झुंड ने कई मकानों और फसलों को नुकसान पहुंचाया है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, धनगवां बीट के जंगल से निकला एक जंगली नर हाथी मंगलवार रात करीब 9 बजे ग्राम चोई स्थित भोला प्रसाद राठौर (70) के घर पहुंचा। हाथी ने पहले धान रखने का कुठला तोड़कर उसमें रखा धान खाया और इसके बाद घर की ओर बढ़ गया। इसी दौरान भोला प्रसाद शौचालय जाने के लिए बाहर निकले। हाथी ने लकड़ी के गेट और ईंट की दीवार को जोरदार धक्का मार दिया। दीवार गिरने से उसका मलबा बुजुर्ग पर आ गिरा, जिससे उनके हाथ, पैर और कमर में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी पहुंचाया। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. सुयांशु दास ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि बुजुर्ग की हालत फिलहाल स्थिर है। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किया जाएगा।

इधर, अकेला हाथी चोई गांव के विभिन्न टोला-मोहल्लों में लगातार घूम रहा है। वह कई मकानों की दीवारें क्षतिग्रस्त कर चुका है तथा खेतों में लगी कटहल और अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। दूसरी ओर, तीन हाथियों का एक अन्य दल पोंडी, मानपुर और बरबसपुर सहित आसपास के गांवों में लगातार विचरण कर रहा है। इस दल ने भी कई मकानों में तोड़फोड़ करने के साथ खेतों और बाड़ियों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। लगातार बढ़ रही हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि रात के समय सतर्क रहें, हाथियों के करीब जाने का प्रयास न करें और उनकी मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को दें। हाथियों के लगातार रिहायशी क्षेत्रों में पहुंचने से ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ गई है। लोग पूरी रात जागकर अपने परिवार और घरों की सुरक्षा करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों की निगरानी बढ़ाने और स्थायी समाधान की मांग की है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो गाय और एक बैल की मौत, गांव में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत औढ़ेरा में बुधवार को आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम किया। जानकारी के अनुसार, ग्राम औढ़ेरा में तेज गरज-चमक और बारिश के दौरान गौशाला के समीप अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से दो गाय और एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई। मृत मवेशी रामचरण कोल एवं बेनी प्रसाद यादव के बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना कोतवाली थाना अनूपपुर को दी गई, जिसके बाद पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए तीनों मवेशियों के शवों का पोस्टमार्टम कराया। मौके पर ग्राम पंचायत की सरपंच श्याम बाई सिंह, जयपाल सिंह, वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल, पशु मालिक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रभावित पशुपालकों को शासन से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

लायंस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

लायंस क्लब अनूपपुर टाउन का सत्र 2026-27 का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को होटल गोविंदम, अनूपपुर में संपन्न हुआ। समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लायंस क्लब के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि लायन एनके जैन (पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर) ने नए पदाधिकारियों को समाज सेवा, नैतिक मूल्यों एवं संगठन के उद्देश्यों के प्रति समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। शपथ अधिकारी लायन जसपाल सिंह कालरा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई, जबकि विशिष्ट अतिथि लायन पीएस राठौर ने अपने संबोधन में सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष लायन डॉ. एससी राय, सचिव लायन दीपक सोनी एवं कोषाध्यक्ष लायन दुर्गेन्द्र सिंह भदौरिया सहित क्लब के सभी सदस्यों ने आगामी सत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा से जुड़े विभिन्न जनहितकारी कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। समारोह का समापन सभी अतिथियों के सम्मान एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।